भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

आईआईटी भुवनेश्वर में 'क्वांटम जगत में अति तीव्र स्पेक्ट्रोस्कोपी' विषय पर व्याख्यान

भुवनेश्वर, 27 फरवरी 2026: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने भारतीय भौतिक विज्ञानी और नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव के आविष्कार की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया। इस वर्ष का विषय था 'विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। इस समारोह के अंतर्गत, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसई), भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर हिरेंद्र नाथ घोष ने 26 फरवरी 2026 को "क्वांटम जगत में अति-तीव्र स्पेक्ट्रोस्कोपी" विषय पर व्याख्यान दिया।

अपने व्याख्यान में, प्रोफेसर घोष ने इस बात पर प्रकाश डाला कि क्वांटम विज्ञान के एक सदी के विकास ने आधुनिक प्रौद्योगिकी को मौलिक रूप से बदल दिया है—सेमीकंडक्टर और अति-तीव्र लेजर से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग तक। अणुओं और पदार्थों की जांच के लिए अति-तीव्र स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए तीन दशकों से अधिक के अपने शोध के आधार पर, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि फेमटोसेकंड और एटोसेकंड प्रक्रियाओं को समझना अगली पीढ़ी के ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को विकसित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि आज रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली कई प्रौद्योगिकियां, जिनमें एलईडी, मोबाइल डिस्प्ले और सौर सेल शामिल हैं, दीर्घकालिक मौलिक अनुसंधान का परिणाम हैं। उन्होंने भारत में भविष्य की वैज्ञानिक उपलब्धियों को आगे बढ़ाने के लिए भौतिकविदों, रसायनविदों, इंजीनियरों और जीवविज्ञानियों के बीच मजबूत अंतर्विषयक सहयोग की आवश्यकता पर भी बल दिया।

प्रारंभ में, आईआईटी भुवनेश्वर के स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रम विभाग के डीन प्रोफेसर चंद्रशेखर भेंडे ने स्वागत भाषण दिया और मुख्य अतिथि का परिचय कराया।

इस अवसर पर, शोधार्थियों ने पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शोध कार्य को प्रस्तुत किया है।

संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और निवासियों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया।